बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम्  दिनांक -20 - 01 -2021

विषय -हिन्दी  विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज कारक के बारे में अध्ययन करेंगे।

## करण कारक

जिसकी सहायता से कोई कार्य संपन्न हो, वह संज्ञा या सर्वनाम पद करण कारक होता है। जैसे:

- (क) मैं पेन से पत्र लिख रहा हूँ।
- (ख) माता जी ने चाकू से फल काटा।

उपर्युक्त वाक्यों में "पेन" और "चाकू" की सहायता से क्रमशः "लिखने" और "काटने" का कार्य किया जाता रहा है। करण कारक में प्रायः "से" परसर्ग का प्रयोग होता है। कभी-कभी "से" की जगह "के द्वारा" अथवा "द्वारा" का भी प्रयोग होता है। जैसे:
(क) बच्चों के द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।
(ख) अभिनव द्वारा बहुत अच्छी कविता सुनाई गई।

## संप्रदान कारक

संप्रदान कारक

जिसके लिए कोई कार्य किया जाए या जिसे कुछ दिया जाए, वह संज्ञा या सर्वनाम संप्रदान कारक होता है। संप्रदान कारक "में", "को" तथा "के" लिए परसर्गों का प्रयोग होता है। जैसे:

- (क) मैं यह उपहार अपने अध्यापक के लिए लाया हूँ।
- (ख) अस्मिता ने प्रिया को पुस्तकें दीं।

वाक्य (क) में "उपहार" लाने का कार्य "अध्यापक के लिए" किया गया है। अतः "अध्यापक के लिए" संप्रदान कारक है। वाक्य (ख) में "प्रिया को" संप्रदान कारक है।

# अपादान कारक

संज्ञा या सर्वमान के जिस रूप से अलग होने, निकलने या तुलना करने का भाव प्रकट हो, उसे अपादान कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न “से” है, जैसे:

- (क) मैं झूठ से घृणा करता हूँ।
- (ख) वृक्ष से फल गिरा है।
- (ग) गंगा-यमुना हिमालय से निकलती हैं।
- (घ) पवन सुरेश से सुंदर है।